

“免费观看权”的代价——唐山古冶警方与南京警方联手破获传播淫秽物品案纪实

王晓义

两次扑空

王某迷上了观看QQ群里的色情电影,为了获得免费观看权,在不到三个月的时间里,他向QQ群上传了大量色情电影,获得了“上级”给予的特殊待遇,同时,也受到南京警方的网上通缉。近日,唐山古冶警方与南京警方联手,经过缜密侦查最终成功将这名重大负案在逃人员抓获归案。

远方来客

春节刚过,江苏省南京市警方便立案侦查一起用QQ群在互联网上大肆传播淫秽电影案件。经过调查,警方发现,这个QQ群中的一个骨干分子可能藏匿在唐山市古冶区吕家坨一带。此人曾通过QQ群上传过大量的淫秽影片。

3月7日,南京市公安局白下区分局朝天宫派出所民警周阳阳、网安大队民警辛宇专程来到唐山市公安局,请求协助抓捕一名重大负案在逃人员。在唐山市公安局民警的陪同下,两位南京警官赶到了古冶。古冶分局网安大队陈立志听完案情介绍后,当即下令分局网安大队与吕家坨派出所全力配合南京警方做好抓捕工作。

(上接第5版)

据故城县公安局分管监管工作的纪检书记刘玉岫介绍,看守工作要求民警必须心细如发,责任心强。53年中,故城县看守所所在与在押人员的押与被押、管与被管的斗争中也有着惊心动魄的时刻和斗智斗勇的较量。

崔某,自幼习武并当过四年侦察兵,有攀檐走壁、开砖断石的本领。1983年严打期间,崔某因密谋逃脱,在试图打开脚镣螺丝未果的情况下,硬是靠着—双手掰断一节铁镣的焊接点,用布条缠上加以掩盖,夜里蒙着被子揉床单作为绳索,借放风之机先将绳索用塑料袋包裹沉入粪坑……准备“妥当”之后,自信满满的他选定风雨交加的8月14日,谎称肚子疼,溜到厕所后,捞起绳索,掰开已断节的脚镣做成钩索,攀上围墙,跳到前值班室屋顶。他的两次跳跃及断开的重镣砸击屋顶和地面发出的声响,引起了值夜班民警的警觉,正当崔某再次借用钩索攀上围墙时,被闻讯而至的民警和武警

当天下午,古冶分局网安大队民警张笑朋带领辛、周两位警官赶到了吕家坨派出所。抓捕组旋即成立,侦查工作也随即展开。根据南京警方提供的嫌疑人线索,所长王卫平调查得知,嫌疑人王某家中有父母和他共3人,父母年龄已大。

3月7日下午3时,社区民警靳超带领分局网安大队民警张笑朋及南京两位警官,着便装乘地方车辆火速赶往距派出所十多公里的某小区。管片民警很快找到了王某居住的楼,并以王某朋友的名义敲开了他的家门。

让抓捕民警没有想到的是,他们扑了个空,王某没有在家,家中只有他母亲一人。于是,民警以他儿子朋友的身份向其母亲打听王某的一些情况。据他母亲介绍,儿子在几十公里外的开滦某矿工作,每天下午2时至夜间11时上班,通常后半夜进家,是矿上井下巷道修理工。为尽快将其抓获,几位民警决定立即赶到矿上。为慎重起见,抓捕组决定暂时不与矿方说明真相。

40多分钟后,抓捕组赶到了矿上派出所,该所派员带着抓捕组一行来到了嫌疑人所在的掘进区办公楼,和相关领导称要找王某了解点情况。领导答称,矿上有规定,除非极特殊情况,否则谁也不能提前上升。抓捕组只得返回派出所,这时已是下午5时多了。

回到派出所,王卫平与抓捕组民警碰头后,决定由抓捕组连夜在王某家中

深夜蹲守

官兵团团围住。临刑前,崔某感慨道:可惜了这身功夫,没能逃出你们的手心,我佩服你们。

辉煌,靠奉献

53年中,故城县看守所11任所长都有一个在工作上“死盯”的共同特点。第三任所长夏希庆自1966年任看守所民警、所长、主管看守工作的副局长,他把24年的青春和心血都倾注在了看守工作上。1967年,他的奶奶脑溢血处于昏迷状态,他请了半天假回去探望,此后,直至老人病逝出殡也没时间路进家门。1976年,他的父亲患脑溢血,半年后去世,时任所长的夏希庆没能在老人的病床前待过完整的一天。1966年至1980年,他连续14年没回家过春节。在他的影响和带动下,顾书臣、于振兴、李春治、陈伟、李之枫、张春雨、韩石峰等历任所长个个都是“死盯死

蹲守。

3月7日晚10时许,民警靳超、巡防队员李伟明及南京两位警官摸黑赶到了某小区,再次敲开了王某家门,这次民警和其父母说明了真实情况,耐心地向其家人讲明了政策和法律有关规定,说明了其儿子多次作案的危害,晓之以理,动之以情,终于打消了其家人的抵触情绪,并得到了理解和配合。接下来,就是静守守候。

转眼已过了凌晨1时。不一会儿,一阵脚步声由远及近,两人屏住了呼吸,快速隐蔽在黑暗的角落。只见那人径朝王某所住的单元走来。“就是他,没错!”两名民警随后轻手轻脚地跟了过去。转眼工夫,这人进了楼。待男子拿钥匙刚开门进屋,尚未关门的一瞬,两名民警也挤进了屋。还没等他反应过来,抓捕民警便一拥而上,将其牢牢控制住。南京警官当场询问了他的姓名,确认无疑后,因当着他父母面,民警并没有给他戴上手铐,而是让他抱着作案用的电脑主机下了楼。

至此,一个大肆传播淫秽影片的“地下黑店”被两地警方一举捣毁。

作茧自缚

在派出所,经连夜审讯,犯罪嫌疑人王某供述了在QQ群里大量传播淫秽影片的全部犯罪经过。

王某交代,近一段时间,由于思想空虚,渐渐迷上了QQ群里的淫秽影片。但有一部分得收费观看,然而,只要按照QQ群里的规定,每周定期往QQ群上传一定数量的色情电影就可晋升为中层管理者,这样就可以免费看。于是,为了获

得免费观看权,满足自己感官刺激的需要,他从去年12月开始,在互联网上加入一个QQ群后,像着了魔一样,几乎一天上传一部色情影片,总共传了六七十部,供QQ群其他成员下载观看。由于他在这个QQ群里“贡献”较大,“工作效率”极高,又非常“执着”。很快,他从这个群里的一般观看者晋升为中层管理者,从此,享受了免费观看色情电影的特殊待遇。为了回报“上级”对他的厚爱,王某的上传积极性更高了,下班后的第一件事就是上传色情电影。

据南京警方介绍,此案涉案人员达20多人,大部分都已落网。3月8日,犯罪嫌疑人王某被押回南京。

语出惊人

犯罪嫌疑人王某落网后,一开始并不以为然,认为自己只不过为了省点钱,免费看看“黄片”,消遣消遣才上传了一些色情电影,这跟违法犯罪并不搭边。他的这一想法正说明这是典型的“法盲”表现。

传播淫秽物品是一种犯罪行为,该罪不必出于牟利目的,即,传播淫秽物品犯罪不论主观是否存在牟利,都将受到法律的处罚。因为,传播淫秽物品不仅败坏社会风气,毒化人们的心灵,更重要的是对青少年的健康成长危害极大,腐蚀性极强。青少年正处于青春发育期,尚不成熟,分辨能力差,一旦沾染“黄毒”,往往不能自控。



侦破纪实

听说,到家里看望了他父亲,他父亲说:“知国际成亡,离不开,也没让他请假。”

2012年3月至7月份,看守所一个病号赵某突发多种病情,先后到石家庄、衡水等地医院进行治疗,一度在ICU治疗,看守所民警轮流到医院看守。先后100多天,看守所民警轮班值守,全体民警均无法休班,更顾不上家庭,但他们硬是挺过来了,没发生一点事故。

故城县看守所的民警们,用辛勤的汗水和智慧,创造了看守事业辉煌的业绩,53年中,监所内成功处置各种逃脱预谋16起,借提审、外出看逃逃跑17起,自杀、凶杀等事故隐患9起,发现并制止苗头性问题82起。53年中,在押的9000余名人员无一脱逃、自杀、行凶、暴狱和非常死亡,民警共敦促1100人次的犯罪嫌疑人坦白检举,从中获取犯罪线索2000余条,破案1000余起。

河间市农村信用合作联社债权债务催收公告

河间市农村信用合作联社针对下列债务人、担保人发布债权催收公告：
一、本公告所示债务人应于2013年3月19日起向相应的债权人履行所签借款合同项下的全部义务，公告所示担保人应同时履行所签保证责任合同或抵押

合同项下的全部义务。

二、本公告所示债务人如在 2013年4月2日之前不能还款或商谈还款事宜，债权人将采取相应的法律措施维护合法权益，同时，将债务人的不良信用

记录输入全国联网的人民银行征信系统。

三、如对贷款数额、担保方式、时效问题等有不同意见，请于本公告发布后10日内持有关证据向我社提出。

借款人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人		担保人		债务人	
-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--	-----	--